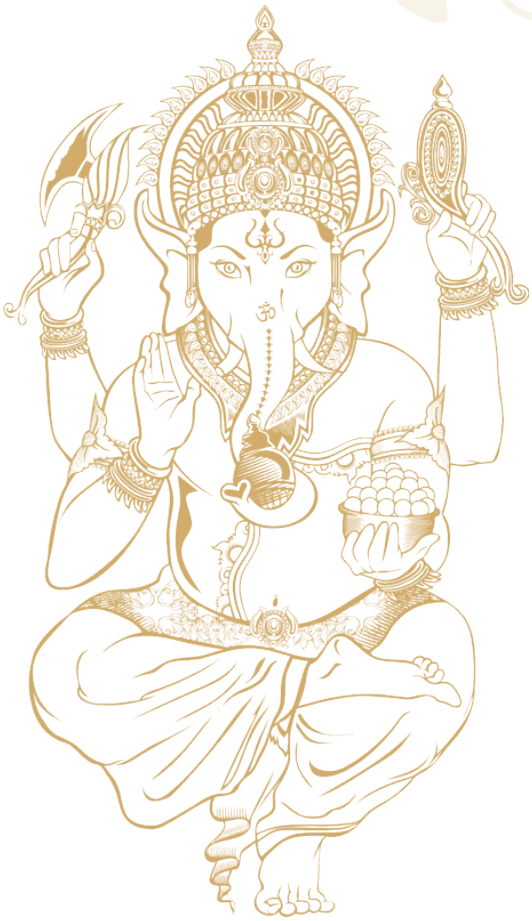

Mr.d

Ms.a

Model: Love-Horoscope

Order No: 120098101

Model: Love-Horoscope

Order No: 120098101 Date: 11/11/2025

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
11/04/1999	जन्म तिथि	16/12/2001
रविवार	दिन	रविवार
घंटे 10:00:00	जन्म समय	14:20:00 घंटे
घटी 09:33:40	जन्म समय(घटी)	18:17:34 घटी
India	देश	India
Ujjain	स्थान	Vidisha
23:11:00 उत्तर	अक्षांश	23:30:00 उत्तर
75:50:00 पूर्व	रेखांश	77:50:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:40	स्थानिक संस्कार	-00:18:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:10:32	सूर्योदय	06:53:36
18:45:37	सूर्यास्त	17:35:05
23:50:37	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:46
वृष	लग्न	मेष
शुक्र	लग्न लग्नाधिपति	मंगल
मकर	राशि	धनु
शनि	राशि-स्वामी	गुरु
श्रवण	नक्षत्र	पूर्वाषाढ़ा
चन्द्र	नक्षत्र स्वामी	शुक्र
4	चरण	2
साध्य	योग	वृद्धि
विष्टि	करण	बालव
खो-खोकरन	जन्म नामाक्षर	धा-धारिणी
मेष	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु
वैश्य	वर्ण	क्षत्रिय
जलचर	वश्य	मानव
वानर	योनि	वानर
देव	गण	मनुष्य
अन्त्य	नाड़ी	मध्य
मार्जार	वर्ग	सर्प

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
चन्द्र 1वर्ष 7मा 18दि		29:38:22	वृष	लग्न	मेष	09:18:10	शुक्र 12वर्ष 4मा 2दि	
राहु		27:00:18	मीन	सूर्य	धनु	00:34:58	चन्द्र	
29/11/2007		21:09:12	मक	चंद्र	धनु	18:26:22	19/04/2020	
28/11/2025		14:52:23	तुला व	मंगल	कुंभ	11:33:39	20/04/2030	
राहु	11/08/2010	00:15:21	मीन	बुध	धनु	06:58:17	चन्द्र	17/02/2021
गुरु	04/01/2013	19:37:50	मीन	गुरु व	मिथु	18:50:24	मंगल	18/09/2021
शनि	11/11/2015	04:33:02	वृष	शुक्र	वृश्चि	23:36:32	राहु	20/03/2023
बुध	30/05/2018	10:50:30	मेष	शनि व	वृष	16:34:01	गुरु	19/07/2024
केतु	17/06/2019	26:23:23	कर्क	राहु	मिथु	03:15:53	शनि	18/02/2026
शुक्र	17/06/2022	26:23:23	मक	केतु	धनु	03:15:53	बुध	20/07/2027
सूर्य	12/05/2023	22:16:38	मक	हर्ष	मक	27:55:25	केतु	18/02/2028
चन्द्र	10/11/2024	10:20:34	मक	नेप	मक	13:03:30	शुक्र	19/10/2029
मंगल	28/11/2025	16:26:03	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	21:34:36	सूर्य	20/04/2030

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:50:37 चित्रपक्षीय अयनांश 23:52:46

लग्न-चलित

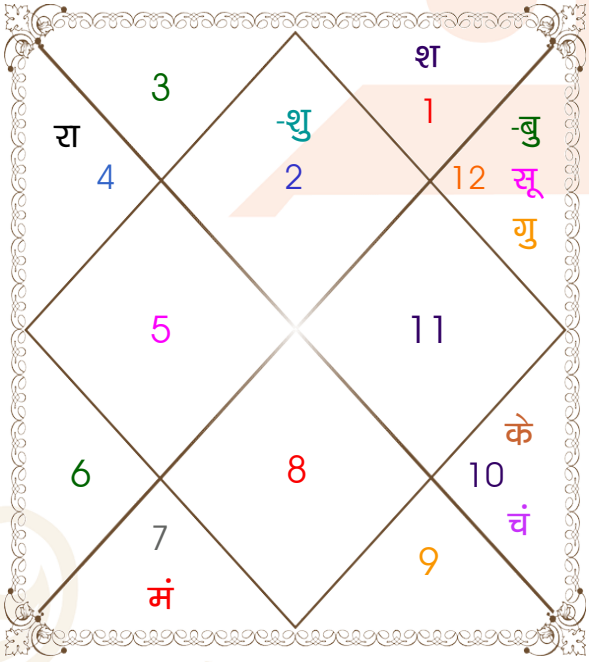

लग्न-चलित

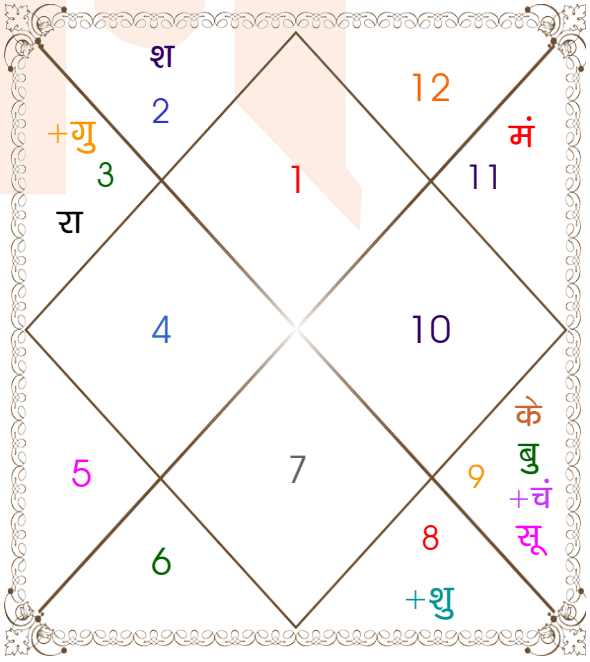

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	वानर	वानर	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	गुरु	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	धनु	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	23.50		

कुल : **23.5 / 36**

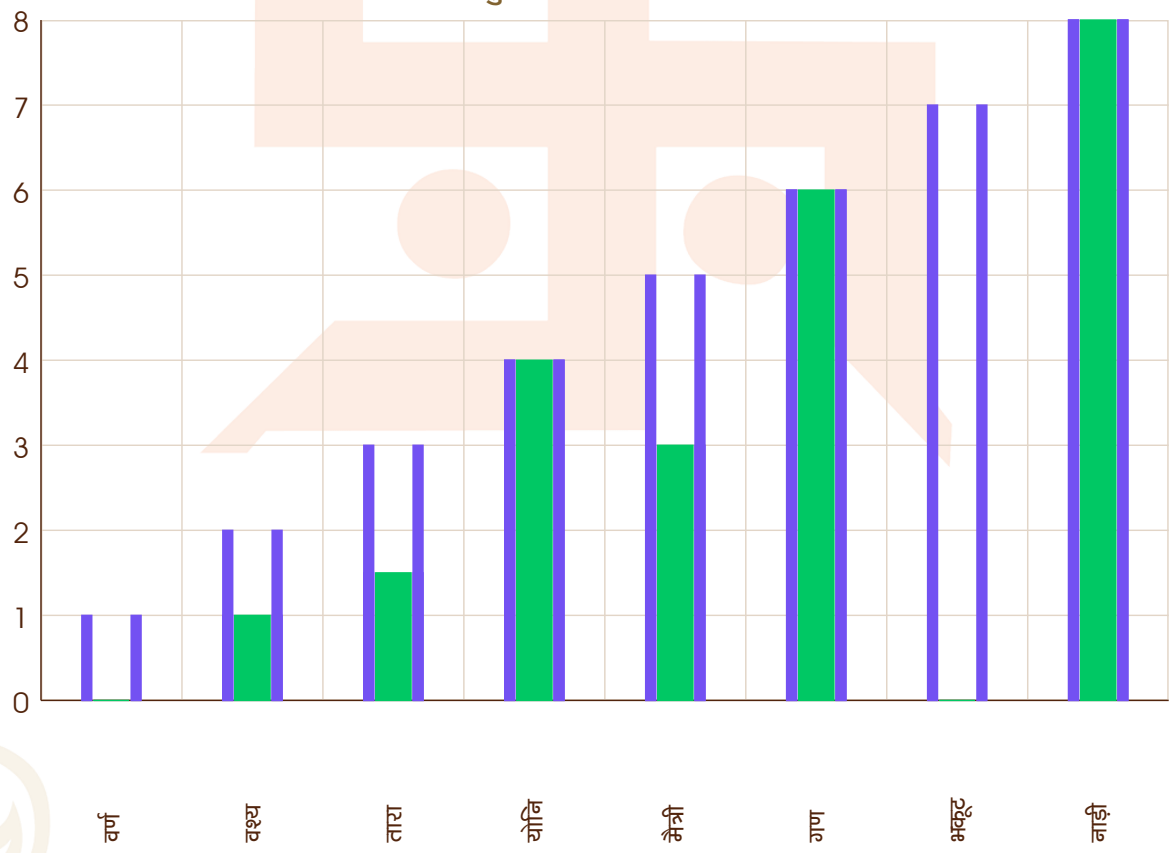

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

Mr.d का वर्ग मार्जार है तथा Ms.a का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.d और Ms.a का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.d मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

Ms.a मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

Mr.d तथा Ms.a में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Mr.d का वर्ण वैश्य है तथा Ms.a का वर्ण क्षत्रिय हैं। क्योंकि Ms.a का वर्ण Mr.d के वर्ण से ऊँचा है जिसके कारण यह अच्छा मिलान नहीं है। इसके फलस्वरूप Ms.a अति वर्चस्वशाली, आक्रामक, झगड़ालू प्रवृत्ति की होगी एवं देखभाल नहीं करने वाली होगी। Ms.a को हमेशा यह घमंड एवं अहंकार होता रहेगा कि वह अपने पति से श्रेष्ठ है तथा हमेशा अपने पति एवं पति के परिवार के सदस्यों को नीची निगाह से देखने वाली होगी।

वश्य

Mr.d का वश्य जलचर है एवं Ms.a का वश्य चतुष्पद है। अतः यह मिलान औसत मिलान ही है। जलचर एवं चतुष्पद सामान्यतः एक-दूसरे के लिए सम हैं। दोनों के बीच न ही प्रेम की भावना होगी और न ही शत्रुता तथा दोनों का प्रकृति में स्वतंत्र अस्तित्व रहेगा। कुंडली मिलान में दोनों के दृष्टिकोण, सोच एवं व्यवहार में पूर्णतः भिन्नता रहते हुए भी विवाह को स्वीकृति प्रदान की गयी है क्योंकि दोनों एक-दूसरे को किसी प्रकार का नुकसान नहीं पहुंचायेंगे तथा अपने-अपने तरीके से अपने कर्त्तव्यों एवं दायित्वों का निर्वहन करते रहेंगे।

तारा

Mr.d की तारा विपत तथा Ms.a की तारा मित्र है। Mr.d की तारा विपत होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। Mr.d एवं Mr.d के परिवार के लिए यह विवाह कष्टदायक हो सकता है तथा जिसके परिणामस्वरूप कष्ट, हानि एवं विपत्ति की संभावना बनी रहेगी। यद्यपि Ms.a हमेशा अपने पति एवं परिवार के लिए सहयोगी एवं मददगार बनी रहेगी किंतु अपने पति के दुर्भाग्य का शिकार होकर Ms.a को भी कष्ट झेलना पड़ सकता है। दुर्भाग्यवश बच्चे भी एवं विपन्नता का शिकार हो सकते हैं।

योनि

Mr.d की योनि वानर है तथा Ms.a की योनि भी वानर है। अर्थात दोनों की योनि समान ही है। दोनों योनि के बीच परस्पर मित्रता का संबंध है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों के बीच अगाध प्रेम होगा। दोनों हमेशा एक दूसरे को समय-समय पर अपना सहयोग देते रहेंगे जिससे इनका पारिवारिक एवं वैवाहिक जीवन अत्यंत सौहार्द्र एवं प्रेमपूर्वक बीतेगा। सोच एवं समझदारी में समानता होने के कारण परस्पर वैचारिक मतभेद नहीं रहेंगे। इस प्रकार आपसी विश्वास रहने के कारण आपका वैवाहिक जीवन अच्छा रहेगा। आप दोनों पारिवारिक एवं वैवाहिक जीवन में शांति का अनुभव करेंगे। मन में हर्षोल्लास की भावना बनी रहेगी। साथ ही परिवार में सौहार्द्रपूर्ण वातावरण रहेगा। धन का आगमन समय-समय पर होता रहेगा। जिसके कारण आप सुखी पारिवारिक एवं वैवाहिक जीवन व्यतीत करेंगे। दोनों आपसी समझबूझ के साथ जीवन में आने वाली किसी भी समस्या का समधान शीघ्र ही निकाल पाने में सक्षम होंगे। जिसके कारण इनका पारिवारिक जीवन अत्याधिक

समृद्धिशाली रहेगा। इस प्रकार इनका वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन सुखी होगा एवं प्रगति के मार्ग प्रशस्त होंगे।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Mr.d एवं Ms.a दोनों के राशि स्वामी परस्पर सम हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से औसत मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यह मिलान औसत माना जायेगा। इसके कारण जीवन एवं करियर में हमेशा उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों के बीच प्रेम एवं सहयोग का माहौल रहेगा किंतु यदा-कदा आपस में ये लड़ाई-झगड़ा भी कर सकते हैं। हालांकि ये जल्दी ही अपने झगड़े को भुलाकर समझौता भी कर लेंगे तथा जीवन पथ पर आगे बढते रहेंगे। सफलता पाने के लिए इनको अथक परिश्रम एवं उद्यम करना पड़ सकता है।

गण

Mr.d का गण देव तथा Ms.a का गण मनुष्य है। अर्थात दोनों का गण कूट मिलान हो रहा है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों दयालु, सहृदय, मृदु, सौम्य एवं एक-दूसरे का ख्याल रखने वाले होंगे। किंतु Ms.a अधिक व्यावहारिक, मिलनसार, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा महत्वाकांक्षी होंगी जो कि भौतिकवादी संसार में अपना अस्तित्व बनाए रखने तथा घर-परिवार चलाने के लिए आवश्यक है। दोनों अपने पारिवारिक, सामाजिक एवं व्यावसायिक जिम्मेवारियों का पूर्णरूपेण निर्वहन करते हुए हर सुख-सुविधाओं से युक्त सुखी जीवन व्यतीत करेंगे।

भकूट

Mr.d से Ms.a की राशि द्वादश भाव में स्थित है Ms.a से Mr.d की राशि द्वितीय भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा नहीं है। जिसके फलस्वरूप दोनों के बीच कलह, लड़ाई-झगड़े, मुकदमेबाजी, तलाक एवं परिवार में कुछ अनहोनी घटनाएं आदि हो सकती हैं। इस मिलान में Mr.d परिश्रमी, परिवार से प्रेम करने वाला, अच्छा कमाने वाला तथा बचत करने वाला होगा किंतु Ms.a का स्वभाव इसके ठीक विपरीत होगा। Ms.a की शारीरिक स्थिति कमजोर तथा स्वास्थ्य अक्सर खराब रह सकता है। साथ ही Ms.a तुरंत क्रोधित होने वाली तथा अपव्ययी होंगी। वह अपने पति द्वारा कमाए गए पैसों को अपने फालतू शौकों एवं दिखावे में व्यय करने वाली होंगी। परिणामतः दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़े होते रहेंगे।

नाड़ी

Mr.d की नाड़ी अन्त्य है तथा Ms.a की नाड़ी मध्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। अन्त्य एवं मध्य नाड़ी दो महत्वपूर्ण जीवनी शक्तियों पित्त एवं कफ की कारक हैं। जिसके कारण दम्पत्ति का परस्पर प्रेम, अनुकूलता, अच्छा भविष्य, सहयोग की भावना बनी रहेगी। आपकी संतान शक्तिशाली, बुद्धिमान, आज्ञाकारी एवं भाग्यशाली होंगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

Mr.d की राशि पृथ्वीतत्व युक्त मकर तथा Ms.a की राशि अग्नितत्व युक्त धनुराशि है। पृथ्वी एवं अग्नि में नैसिर्गक विषमता होने के कारण दोनों के मध्य स्वभावगत असमानता रहेगी फलतः परस्पर संबंधों में तनाव रहेगा जिससे वैवाहिक जीवन परेशानी से युक्त रहेगा। अतः यह मिलान अनुकूल नहीं रहेगा।

Mr.d की राशि का स्वामी शनि तथा Ms.a की राशि का स्वामी बृहस्पति परस्पर सम राशियों में स्थित है। अतः Mr.d और Ms.a दोनों के वैवाहिक संबंधों में मधुरता रहेगी तथा एक दूसरे के प्रति प्रेम सहयोग तथा सहानुभूति का भाव विद्यमान रहेगा साथ ही सुख दुख में एक दूसरे को सहयोग प्रदान करने को तत्पर रहेंगे। ये दोनों परस्पर गुणों की मुक्त भाव से प्रशंसा करेंगे तथा सतमित्रों की तरह कमियों की उपेक्षा करेंगे फलतः वैवाहिक जीवन में सुखद क्षणों की प्राप्ति होगी।

Mr.d और Ms.a की राशियां परस्पर द्वितीय तथा द्वादश भाव में स्थित हैं शास्त्रानुसार यह भकूट दोष माना जाता है। अतः इसके प्रभाव से उपरोक्त शुभफलों में न्यूनता आएगी तथा आपस में प्रेम सहयोग के स्थान पर विरोध एवं वैमनस्य का भाव उत्पन होगा जिससे संबंधों में तनाव तथा कटुता का भाव रहेगा। साथ ही एक दूसरे के प्रति आलोचनात्मक दृष्टिकोण भी रहेगा फलतः वैवाहिक जीवन में भी न्यूनता रहेगी तथा सुखद क्षणों का अभाव रहेगा। यदि Mr.d और Ms.a बुद्धिमता एवं सामंजस्य से काम ले तो इनमें किंचित शुभता आ सकती है।

Mr.d का वश्य जलचर तथा Ms.a का वश्य चतुष्पद है। जलचर तथा चतुष्पद में नैसर्गिक मित्रता के कारण इनकी अभिरूचियों में समानता रहेगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर आवश्यकताएं समान होंगी। साथ ही दाम्पत्य संबंधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में समर्थ होंगे फलतः जीवन में सुखद क्षणों की प्राप्ति होती रहेगी।

Mr.d का वर्ण वैश्य तथा Ms.a का वर्ण क्षत्रिय है। अतः Mr.d की प्रवृति धनार्जन में होगी तथा धन को विशेष महत्व देंगे परन्तु Ms.a प्रायः परिश्रमी कार्यो को संपन्न करेगी फलतः कार्यक्षेत्र में असमानता के कारण यदा कदा समस्याएँ उत्पन्न हो सकती हैं।

धन

Mr.d और Ms.a दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य रूप से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों समर्थ होंगे। Mr.d और Ms.a दोनों की राशियां परस्पर द्वितीय एवं द्वादश भाव में पड़ती है। अतः यह भकूट दोष माना जाएगा जिससे धनार्जन में परिश्रम की बहुलता रहेगी लेकिन मंगल के शुभ प्रभाव से उचित धन प्राप्त करके आर्थिक स्थिति में सुदृढ़ता बनी रहेगी।

भकूट दोष के प्रभाव से Mr.d की प्रवृति व्ययशील होगी। वह जुआ सट्टा लाटरी आदि पर भी वे अधिक व्यय करेंगे जिससे यदा कदा अर्थिक विषमता की अनुभूति हो सकती है लेकिन इसका प्रभाव अधिक समय तक नहीं रहेगा। सामान्यतया स्थिति अनुकूल ही रहेगी तथापि Mr.d को ऐसी प्रवृतियों की यत्नपूर्वक उपेक्षा करनी चाहिए।

स्वास्थ्य

Mr.d की नाड़ी अन्त्य तथा Ms.a की नाड़ी मध्य है। अतः अलग अलग नाड़ियों में उत्पन्न होने के कारण नाड़ी दोष से ये मुक्त रहेंगे। इसके प्रभाव से इनका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण सांसारिक कार्यो को परिश्रम एवं पराक्रम से सिद्ध करने में समर्थ होंगे। साथ ही मंगल भी इन दोनों के लिए शुभ ही रहेगा तथा इनके स्वास्थ्य पर इसका कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। अतः इनका दाम्पत्य जीवन सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा। इस प्रकार उत्तम वैवाहिक जीवन के लिए यह मिलान श्रेष्ठ रहेगा।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Mr.d और Ms.a का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Mr.d और Ms.a के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Ms.a के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Ms.a को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Ms.a को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Mr.d और Ms.a सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Mr.d और Ms.a का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Ms.a के अपने ससुराल पक्ष के लोगों से अच्छे संबध रहेंगे साथ ही अन्य जनों की अपेक्षा सास से संबधों में अधिक मधुरता रहेगी। विवाह के बाद Ms.a अत्यंत ही धैर्य एवं परस्पर सामजंस्यता के भाव का पालन करेंगी। उनका यह धैर्य एवं सामंजस्यता का भाव भविष्य में उनके लिए अनुकूल सिद्ध होगा।

साथ ही ससुर के साथ भी सामंजस्य स्थापित करने में उन्हें कोई परेशानी नहीं

होगी। अपनी मधुर वाणी एवं विनम्र व्यवहार से उनके हृदय को जीतने में समर्थ रहेंगी। इसी प्रकार अपनी मुक्त मित्रता की प्रवृति के कारण देवर एवं ननदों से भी संबध अनुकूल रहेंगे तथा उनकी ओर से Ms.a पूर्ण सहयोग अर्जित करने में समर्थ रहेंगी।

यद्यपि Ms.a अपनी ओर से समस्त ससुराल पक्ष के लोगों को सन्तुष्ट एवं प्रसन्न करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगी परन्तु इन लोगों से इन्हें कोई विशिष्ट सहयोग नहीं मिलेगा तथा संबधो में औपचारिकता अधिक रहेगी।

ससुराल-श्री

Mr.d की अपनी सास से संबंधों में मधुरता रहेगी। साथ ही उनके प्रति श्रद्धा सम्मान एवं सहयोग का भाव रहेगा। Mr.d सपत्नीक समय समय पर ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे जिससे आपसी संबंधों में मधुरता की वृद्धि होगी। साथ ही Mr.d का व्यवहार उनके प्रति विनम्रता से युक्त रहेगा।

ससुर के साथ भी Mr.d के संबंधों में मधुरता का भाव रहेगा। साथ ही इन दोनों के मध्य दामाद ससुर की अपेक्षा पिता पुत्र का भाव अधिक रहेगा। Mr.d भी समय समय पर अपने समस्याओं के समाधान के लिए ससुर से सलाह लेते रहेंगे लेकिन साले तथा सालियों से संबंध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे तथा उनसे यथोचित सम्मान तथा सहयोग की प्राप्ति अल्प मात्रा में ही होगी।

इस प्रकार ससुराल के लोगों का दृष्टिकोण Mr.d के प्रति अनुकूल रहेगा जिससे उनके आपसी संबंध अनौपचारिक रहेंगे।

लग्न फल

Mr.d

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के द्वितीय चरण में वृष लग्नोदय काल में हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर कन्या नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण उदित था। फलस्वरूप इस बात का द्योतक है कि आप (जन्मकाल) बाल्यावस्था से ही निश्चित रूप से सुखी, सुलभ, स्नेहयुक्त एवं आनंन्दित जीवन व्यतीत करेंगे। आप सदैव ही नारी तथा धन से युक्त रहकर आनंद प्राप्त करेंगे।

आप सफलता प्राप्ति हेतु अंतिम क्षण तक सत्प्रयास करते रहेंगे मुख्यतः आप जीवन के 28 वें वर्ष के पश्चात् अपने परिश्रम को साकार कर लेंगे।

यद्यपि आप सहज स्वभाव के प्राणी हैं। आप में कुछ मुख्य गुण है कि आप प्रशंसनीय व्यक्ति हैं। आप उतावला होकर शीघ्रता पूर्वक कोई भी निर्णय नहीं लेतें बल्कि शांत चित्त हो खूब सोच विचार करने के पश्चात् अपने विवेक से दूसरा कदम उठाते हैं।

आप अपनी योजना को तुलनात्मक ढंग से विभिन्न प्रकारेण अनुकूलता एवं प्रतिकूलता के संबंध में विस्तारपूर्वक अध्ययनकर कार्यरूप देते हैं। इसके पश्चात् अपनी आंकाक्षा को एकाग्रचित होकर संबंधित प्रस्ताव को समर्पित करते हैं। परंतु आप यदा-कदा स्वभाव से प्रीतिपूर्वक व्यवहार करते है जो आपके लिए बोझ-स्वरूप दबाव पूर्ण हो सकता है। इसलिए आपको एक बार ऐसा विचार करना चाहिए कि अपनी बुनियादी गुण को त्याग कर ही अपने विषयक कार्य को सफलता के द्वार तक पहुंचा सकते हैं।

आपको शारीरिक सुख भोग के लिए सतत कठिन परिश्रम करके ही पुरष्कार स्वरूप धन, संपत्ति प्रतिष्ठा एवं आरामदायक जीवन व्यतीत करने का सौभाग्य प्राप्त होगा। आप एक बार प्रगति के पथ पर अग्रसर हुए तों आपकी अपेक्षित धन संचय की लालशा पूरी हो जाएगी तथा बहुत अधिक धन संचय कर लेंगे। क्योंकि आप महान कृपण हैं अतः जीवन पर्यंत धन संपत्ति संचय करते रहेंगे।

आपको बहुत धनोपार्जन हेतु सुदंर एवं अनुकूल व्यवसाय आरामदायक वस्तुओं का व्यवसाय कृषि उपस्करों का व्यवसाय, वित्तीय (लेन-देन) दलाली का व्यवसाय, कलात्मक वस्तुओं का व्यवसाय, रत्नादि एवं ट्रांसपोर्ट (मालवाहक) संबंधी कार्यों के द्वारा अतिरिक्त धन उपार्जन कर सकेंगे।

आप सदैव ही विपरीत योनि के साथ आंख मिलाते रहना चाहते हैं। आप सदैव कामुकता पूर्ण आनंद प्राप्त करना पसंद करते हैं। अंततः आपके महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील जनेन्द्रीय को क्षति होने की आशंका है। अस्तु उत्तम यह है कि आप इस प्रवृत्ति का त्याग कर दें।

आप निरंतर सुखद एवं शांतिपूर्ण घरेलू जीवन व्यतीत करेंगे। यह संभाव्य है कि आप मुख्यतया अपना सर्वोत्कृष्ट जीवन साथी बनाएंगे।

वृष राशीय जातक को निर्देश है कि आप अपने पति/पत्नी अथवा मित्रता के लिए उपयुक्त राशि कन्या, मकर, मीन एवं वृश्चिक राशि के जातक अनुकूल हैं। इन राशियों का योग मानवीय एवं आनंददायक होगा। आप सदैव ही अपने पारिवारिक प्रसन्नता हेतु बहुत कुछ करते रहते हैं। आप वांछनीय एवं स्वस्थ्य जीवन के लिए सभी वांछित वस्तुओं की व्यवस्था एवं समर्पण करते हैं।

यद्यपि आप विस्तृत सम्पत्ति के स्वामी होंगे। आप शांतचित्त हृष्ट-पुष्ट शरीर से युक्त, संवेदनशील एवं जीवन में कुछ समय के बाद हल्के रोगों की आशंका है। आप गले के संक्रमण, कफ एवं शीत प्रभाव से शरीर में फोड़ा-फुंसी, दाद खुजली एवं शारीरकि पीड़ा से पीड़ित रहेंगे। अस्तु समय-समय पर अपने पारिवारिक चिकित्सक से संबंधित रह कर, इन रोगों के प्रति सतर्क रहें।

सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।

आपके लिए अंक 2 एवं 8 अंक अनुकूल और महत्वपूर्ण है। परंतु अंक 5 आपके लिए त्याज्य है।

आपके लिए सभी रंगों में सुंदर एवं अति उत्तम रंग सफेद, हरा एवं गुलाबी रंग है। रंग लाल आपके लिए त्याज्य है।

Ms.a

जिस समय आपका जन्म हुआ, उस समय पूर्वी क्षितिज पर अश्विनी नक्षत्र के तृतीय चरण में मेष लग्न उदित था। परिणाम स्वरूप जन्मकाल मिथुन नवमांश एवं मेष के द्रेष्काण के प्रभाव से आप का जन्म लग्न प्रभावित था।

आप में व्यक्तिगत रूप से कई कार्यों को एक साथ संचालित करने की क्षमता है, और आप कोई भी कार्य पूर्ण रूपेण आश्वस्त होकर संपादित करती हैं। आप उच्चकोटि की महत्वाकांक्षी, महिला हैं। आप अपने उद्येश्यित महत्वपूर्ण बिंदुओं को कार्य रूप देकर कार्यान्वित कर लेने में लगन लगाती हैं। आप में यह वरदान स्वरूप विशिष्टता विद्यमान है कि आत्मबल के सहारे अपने कार्य को संपादन कर लेती हैं। परंतु आप में छोटी सी बातों में भी अड़चन लगाने की प्रवृत्ति विद्यमान है। अर्थात् किसी भी असाधारण बातों को द्वन्द्वात्मक बना देती हैं।

आप किसी कार्य का आरंभ विद्युत गति से करती हैं। परंतु अकस्मात् बीच में ही कार्य को रोक कर अपने मार्ग को बदलने पर पुनर्विचार करने लगती हैं। यदि आप कोई सशक्त निर्णय लेकर और पूरी तन्मयता से कार्य को कार्य रूप दें तो निश्चित रूप से आप किसी भी कार्य में सफल हो जाएंगी।

वास्तव में आप विशुद्ध आत्मा (हृदय) की प्राणी हैं। आपके हृदय में किसी प्रकार

की कलुषता नही रहती है। आप चाहती हैं कि आज तक की परिस्थितियों की जानकारी प्राप्त कर नेतृत्व करें। आप किसी दूसरे व्यक्ति का निर्देशों का अनुपालन नहीं करतीं। यद्यपि आप यह चाहती है कि किसी भी व्यक्ति पर अपनी छाप (चिह्न) स्थापित करें तथापि यदा-कदा आप अपनी राय सभी कार्यों में प्रदान कर अपना प्रभाव कायम करने के लिए तत्तपर रहती हैं। वास्तव में कोई भी व्यक्ति अच्छी राय आपसे प्राप्त कर आपसे प्रभावित हो जाता है।

आप अपने शत्रुओं से निर्भय रहती हैं। दुर्भाग्यवश यदि किसी शत्रु से आपको मुकाबला करना पड़ जाए और आपके साथ कोई षड्यंत्र करे तो आप वर्त्तमान कालिक परिस्थिति का मुकाबला पूरी शक्ति से एवं अपने निर्णय के अनुसार कूटनीतिक व्यवहार से उसके साथ पेश आती हैं।

अश्विनी नक्षत्र के प्रभावानुसार आप पूर्ण सशक्त एवं शक्ति संपन्न व्यक्तित्व की संपन्नता से धन प्राप्त करने की क्षमता रखती हैं। आपका उन्नत ललाट और प्रभावक दृष्टि आपके अन्तः करण की सूचना प्रकट करते हैं आप में ऐसी क्षमता है कि आपके संपर्क में जो व्यक्ति आता है। उस पर आपका पूर्ण प्रभाव एवं अच्छी छाप पड़ती है। आप अधिक धन संचय करने के संबंध में लालची भी हैं। आपको अपने भाई के साथ कोई विवाद हो जाए और आप उलझ जाएं यह संभाव्य है। अन्यथा आपका पारिवारिक जीवन सुंदर रहेगा। आपके जीवन का मुख्य दायित्व पारिवारिक समस्या है। आप बेसुध हो कर, हर क्षण अपने परिवार के लाभ के लिए कुछ न कुछ करते रहने के संबंध में चिंतनशील रहा करते हैं, क्योंकि संपूर्ण परिवार का दायित्व आपके कंधे पर है, अर्थात पूरे परिवार का विकास और विस्तार के लिए आप ही अभिभावक के रूप में जिम्मेदार हैं। परंतु आप अपने शब्द जाल में अधिकांश लोगों को फंसा लेती हैं परंतु आप किसी भी दशा में अपने स्तर से गिर नहीं पाती। आपके स्वभाव के अनुसार जेल अधिकारी पद पर आपकी नियुक्ति उपयुक्त है। अन्यथा आप पुलिस विभाग या रेलवे अधिकारी भी हो सकती हैं।

सामान्यतया आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। परंतु आपको यह निर्देश दिया जाता है कि अपने पारिवारिक चिकित्सक से सिरोवेदना या मस्तिष्क रोग से सावधानी कैसे बरती जाय इसके संबंध में परामर्श ले लें।

आपके जीवन के 20 वे वर्ष में आपके लिए भाग्यशाली समय प्रारंभ होगा। आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके भविष्य के लिए उन्नति कारक एवं आकर्षक अंक 9 एवं 1 अंक होगा। जबकि आपके लिए अनुकूल अंक 4 एवं 8 अंक होगा। अंक 6 एवं 7 अंक आपके लिए अच्छा प्रभाव देने वाले नहीं है।

आपके जीवन के लिए पीला, स्वर्णिम एवं लाल रंग व्यवहारिक एवं काला रंग सर्वथा त्याज्य है।

अंक ज्योतिष फल

Mr.d

आपका जन्म दिनांक 11 है। एक एवं एक का जोड़ दो आपका मूलांक है। एक का स्वामी सूर्य एवं दो स्वामी चन्द्र है। इन दोंनो ग्रहों के गुण-अवगुण आपके व्यक्तित्व में रहेंगे। आप अनुशासन पसन्द व्यक्ति रहेंगे एवं अपने नाम पर धब्बा नहीं लगायेंगे। समाज में आपकी इज्जत होगी। नाम एवं यश प्राप्त करेंगे। सूर्य प्रभाव से नियमितता रहेगी। चन्द्र प्रभाव कभी-कभी मनको चंचल भी करेगा उससे बचना हितकर रहेगा अन्यथा सफलता के स्थान पर कई बार चन्द्र प्रभाव असफलता भी दे देगा। संघर्ष करना आपकी आदत बन जायेगी। अतः कभी आप एकदम उच्चता प्राप्त करेंगे तो कभी आपको थोड़ा झुकना भी पड़ेगा।

बौद्धिक स्तर आपका अच्छा रहेगा एवं ऐसे कार्य जिनमें बुद्धि का प्रयोग अधिक होता हो आपके लिये शुभ रहेगा। असफलताओं से आप निराश नहीं होंगे, क्षीण तो होंगे फिर भी हिम्मत नहीं हारेंगे और एक दिन फिर सूर्य की तरह प्रकाशित होंगे।

स्वभाव में आपके थोड़ा हठीपन रहेगा एवं क्रोध भी आ जाया करेगा। इन अवगुणों से बचना आपके लिये हितकर रहेगा, आपको ऐसे क्षेत्रों का चुनाव करना हितकर रहेगा जहाँ अत्यधिक परिवर्तनशीलता न हो। सामान्य कार्यकाज जिन क्षेत्रों में रहे, वह आपके लिये शुभ रहेंगे। विशेष कर बुद्धि विवेक के कार्य अधिक योगप्रद रहेंगे।

Ms.a

आपका जन्म दिनांक 16 है। एक एवं छः के योग से आपका मूलांक 7 होता है । मूलांक सात का स्वामी भारतीय मत से केतु एवं पाश्चात्य मत से नेपच्यून होता है। अंक एक का सूर्य तथा 6 का शुक्र है । इन तीनों ग्रहों सूर्य, शुक्र, केतु या नेपच्यून का प्रभाव आपके जीवन में निरन्तर चलता रहेगा। मूलांक 7 के प्रभाव से आपकी अभिरुचि ललित कलाओं में रहेगी। आपको गीत-संगीत, लेखन, काव्य, चलचित्र, दूरदर्शन इत्यादि में लगाव रहेगा।

कल्पनाशक्ति आपकी काफी अच्छी रहेगी। धन संग्रह में आपको कठिनाईयां आयेंगी इससे अर्थ के क्षेत्र में आप कमी महसूस करेंगी। घूमने-फिरने की शौकीन होने के कारण आप लम्बी यात्रायें करेंगी जिनसे आपके ज्ञान में वृद्धि होगी। अतीन्द्रिय ज्ञान आपके अन्दर काफी अच्छा रहेगा, जिससे दूसरों के विचार या बात को आप आसानी से समझ जायेंगी।

अंक एक एवं छः के स्वामी सूर्य, शुक्र ग्रह के प्रभाव से आप महत्वाकांक्षी, दृढ़प्रतिज्ञ, अडिग एवं सौन्दर्यबोध को समझने वाली होंगी। आप अपने जीवन में काफी संघर्ष करेंगी, लेकिन अन्त में संघर्षों पर विजय प्राप्त करेंगी एवं सफलता अर्जित करेंगी। आपको स्वच्छता अधिक पसन्द आयेगी एवं सभी वस्तुऐं करीने से सजी हों तथा घर ऑफिस में सुन्दर बैठक हो ऐसी आपकी मनोवृत्ति रहेगी। दूरस्थ देशों से आपको लाभ प्राप्त होगा। आप

रोजगार-व्यापार में ऐसी लाइन का चुनाव करेंगी, जिसमें दूरस्थ देशों से निरन्तर सम्पर्क बना रहे तथा उनसे लाभ मिले। नेपच्यून, शुक्र एवं सूर्य के संयुक्त प्रभाववश आपको प्रारम्भ में संघर्ष करना पड़ेगा। पश्चात् मध्य अवस्था से अन्तिम अवस्था तक उन्नति की सीढ़ियां चढ़ती चली जायेंगी।

Mr.d

भाग्यांक सात का स्वामी भारतीय मत से केतु तथा पाश्चात्य मत से नेपच्यून ग्रह को माना गया है। यह कल्पना शक्ति, विचार शक्ति, अच्छी देता है। भाग्योदय रुकावटों के साथ करता है। आर्थिक क्षेत्र में प्रायः कमी करता है। धन संग्रह बड़ी- कठिनाई से होता है। अन्यथा ज्यादातर धन की कमी बनी रहती है। कला एवं दर्शन के क्षेत्र में आपका रुझान रहेगा। इन क्षेत्रों को आप कर्म-क्षेत्र बना सकते हैं। इनमें आपकी उन्नति निहित होगी।

आपको ऐसा रोजगार पसन्द आयेगा जिसमें यात्रा के अवसर मिलते रहें। दूर-दूर की यात्रा करना, सैर सपाटा आपके लिए रुचि पूर्ण रहेगा। कई एक यात्राओं से आप व्यावसायिक उन्नति प्राप्त करेंगे। दूर के व्यक्तियों से आपके अच्छे संबंध बनेंगे जो रोजगार व्यापार में आपको लाभ प्रदान करेंगे। प्राचीन रीति-रिवाजों पर आपकी आस्था कम रहेगी तथा परिवर्तन करते रहना आपको सुहायेगा। आपका कार्यक्षेत्र यदा-कदा परिवर्तित होता रहेगा।

Ms.a

भाग्यांक चार का स्वामी भारतीय मतानुसार राहु एवं पाश्चात्य मत से हर्षल ग्रह को माना गया है। हर्षलग्रह के प्रभाव से आपका भाग्योदय अचानक होगा। आपके जीवन में कई कार्य ऐसे होंगे जिनमें अथक परिश्रम के बाद चाही गई अवधि में सफलता न मिले और कार्य रुक जायें। लेकिन एक दिन अचानक ही ऐसे कार्य बन भी जाया करेंगे। आप अपने कार्यक्षेत्र में परिवर्तन की हिमायती होंगी एवं पुरानी मान्यताओं में परिवर्तन करते रहना आपकी आदत में शुमार होगा। आप रूढ़ि वादिता से थोड़ी दूर तथा आधुनिक होंगी।

ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में आपका रुझान रहेगा एवं ऐसे कार्यों को संपादन करने में आनन्द आयेगा जिन्हें अन्य जन दुष्कर समझेंगे। आपके कार्यों में विस्फोटकता रहेगी तथा आप अचानक चर्चित होंगी। लेकिन यह स्थायित्व नहीं ले सकेगा। बार-बार का परिवर्तन आपकी उन्नति में बाधक रहेगा। अचानक सफलता या असफलता से आपको सबक लेना होगा कि भाग्य आपका परिवर्तनशील है। अतः आपको अधिक विस्फोटक, जोखिम युक्त कार्यों से दूर रहना या सोच-समझकर कार्य करना भाग्य वृद्धि कारक रहेगा।